vinetur

इतालवी रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रमाणित बेलों की दाख़बाग़ों तक पहुँचने से पहले कैसे जाँच होती है

नर्सरी नियंत्रण अंगूर की बेल की पहचान की पुष्टि करते हैं, वायरस की जाँच करते हैं और पौधों की उत्पत्ति दर्ज करते हैं, इससे पहले कि उत्पादक दीर्घकालिक दाख़बाग़ निवेश करें।

बुधवार, 30 सितंबर 2026



इटली के वाइन उद्योग समूह Unione Italiana Vini ने कहा कि किसी दाख़बाग़ की गुणवत्ता पहली बेल लगाए जाने से पहले ही तय होने लगती है, जब उत्पादक नई कतारें स्थापित करने के लिए इस्तेमाल होने वाली प्रसार सामग्री चुनते हैं।

Il Corriere Vinicolo में प्रकाशित एक रिपोर्ट में, Centro Attività Vivaistiche के विशेषज्ञों ने बताया कि इटली की नर्सरी प्रमाणन प्रणाली दाख की बेल के पौधों की किस्मगत पहचान, पौध-स्वास्थ्य और अनुरेखणीयता की जाँच कैसे करती है, इससे पहले कि वे खेत तक पहुँचें।

29 सितंबर को प्रकाशित इस लेख में कहा गया है कि प्रमाणन अंगूर आपूर्ति श्रृंखला का एक केंद्रीय चरण है, क्योंकि यह बेलों के प्रवर्धन के बाद आता है और सामग्री की प्रत्येक श्रेणी से जुड़े नियमों के तहत उत्पादकों के लिए निर्धारित पौधों की विशेषताओं की पुष्टि करता है। ध्यान barbatelle पर है, यानी वे युवा कलमी बेलें जो ऐसे उत्पादक दाख़बाग़ बनाने के लिए लगाई जाती हैं, जिनके कई वर्षों तक उपयोग में बने रहने की उम्मीद होती है।

योगदान के अनुसार, यह व्यवस्था आनुवंशिक और किस्मगत अनुरूपता से शुरू होती है। इटली में राष्ट्रीय बेल किस्म रजिस्टर में अंगूर की किस्मों और क्लोनों का पंजीकरण इस प्रमाण की मांग करता है कि वे विशिष्ट, एकरूप और स्थिर हैं। मदर प्लांट खेतों में, ऐम्पेलोग्राफ़िक जाँच का उपयोग यह पुष्टि करने के लिए किया जाता है कि पौधे घोषित किस्म से मेल खाते हैं। संदेह होने पर, इन खेत-स्तरीय अवलोकनों को डीएनए विश्लेषण से समर्थन दिया जा सकता है।

लेखकों ने लिखा कि प्रमाणन का पादप-स्वास्थ्य पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कुछ अंगूर-बेल वायरसों का पता लगाने के लिए आधिकारिक निरीक्षण और प्रयोगशाला परीक्षण किए जाते हैं, और परीक्षण की आवृत्ति प्रवर्धन के चरण के अनुसार अलग-अलग होती है। रिपोर्ट के अनुसार, ये नियंत्रण केवल अंतिम रोपण चरण पर नहीं, बल्कि पूरी नर्सरी श्रृंखला में स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी के लिए बनाए गए हैं।

लेख इटली में उपयोग होने वाली अंगूर-बेल सामग्री की मुख्य श्रेणियों और कानूनी ढांचे को भी रेखांकित करता है: initial, basic, certified और standard। Certified material नियंत्रित उत्पादन श्रृंखला से आती है और वाणिज्यिक दाख़बाग़ स्थापित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है। Standard material भी आवश्यक नियंत्रणों के अधीन है और उन किस्मों की ज़रूरतें पूरी कर सकती है जिनके लिए पंजीकृत क्लोन उपलब्ध नहीं हैं।

यह आलेख विशेष रूप से उन विषाणुजनित रोगों पर ध्यान देता है जो प्रसार सामग्री के माध्यम से फैल सकते हैं, तथा उन रोगकारकों पर जिनकी निरंतर निगरानी आवश्यक है। जिन खतरों का उल्लेख किया गया है उनमें grapevine Pinot gris virus और red blotch disease से जुड़ा वायरस शामिल हैं। लेखक इस बात पर ज़ोर देते हैं कि रोकथाम निर्णायक है, क्योंकि बेल के विषाणुजनित रोग एक बार संक्रमित पौधे खेत में लग जाने के बाद ठीक नहीं किए जा सकते।

यह बात नर्सरी से आगे भी व्यावहारिक असर रखती है। वाइन उत्पादकों के लिए, और संभवतः अंगूर आपूर्ति से जुड़े पेय क्षेत्र के अन्य हिस्सों के लिए भी, प्रमाणित रोपण सामग्री का उपयोग संक्रमित बेलों से होने वाले नुकसान के जोखिम को कम कर सकता है, महंगे पुनर्रोपण की संभावना घटा सकता है और समय के साथ नए दाख़बाग़ निवेशों से उत्पादन को स्थिर करने में मदद कर सकता है। इन प्रभावों का निर्भर होना खेत में कई कारकों पर है, लेकिन युवा बेलों की स्वास्थ्य स्थिति उन शुरुआती मानकों में से एक है जिस पर उत्पादक नियंत्रण रख सकते हैं।

रिपोर्ट Centro Attività Vivaistiche के Stefano Salute, Marco Cardoni, Silvia Loreti, Elena Tura, Marco Pancaldi और Rino Credi ने लिखी थी। यह Unione Italiana Vini से संबद्ध प्रकाशन इकाई Il Corriere Vinicolo के 30/2026 अंक में प्रकाशित हुई और इसे रोपण से पहले प्रमाणित अंगूर-बेल सामग्री का मूल्यांकन कैसे किया जाता है, इसका एक अवलोकन प्रस्तुत किया गया।

स्रोत नोट करता है कि अनुरेखणीयता प्रमाणन के मूल्य का हिस्सा है। क्योंकि दाख़बाग़ दीर्घकालिक कृषि निवेश होते हैं, इसलिए पौध सामग्री की उत्पत्ति और स्थिति से जुड़ी जानकारी न केवल कृषि-प्रबंधन योजना को, बल्कि उत्पादकों और वाइनरीज़ के वित्तीय निर्णयों को भी प्रभावित कर सकती है। ऐसी सामग्री से लगाया गया दाख़बाग़, जो बाद में गलत या संक्रमित साबित हो, समस्याएँ पूरी तरह सामने आने से पहले वर्षों तक कम प्रदर्शन झेल सकता है।

प्रवर्धन प्रक्रिया के एक से अधिक चरणों पर जाँच तय करके, प्रमाणन ढाँचा जोखिमों को शुरुआत में ही संबोधित करना

चाहता है। लेख संकेत देता है कि किस्मगत अनुरूपता को केवल लेबल से जुड़ा मुद्दा नहीं, बल्कि एक तकनीकी आवश्यकता माना जाता है, जिसकी पुष्टि खेत-स्तरीय अवलोकन और, आवश्यकता पड़ने पर, आणविक उपकरणों से की जाती है। स्वास्थ्य पक्ष पर, आधिकारिक निरीक्षण और प्रयोगशाला परीक्षणों का उद्देश्य बेलों के बड़े पैमाने पर वितरित होने से पहले संक्रमण की पहचान करना है।

प्रकाशन प्रमाणन को भविष्य की हर दाख़बाग़ समस्या के खिलाफ गारंटी के रूप में प्रस्तुत नहीं करता। इसके बजाय, वह इसे एक संरचित नियंत्रण प्रणाली के रूप में वर्णित करता है, जो पहचान की पुष्टि करके, स्वास्थ्य स्थितियों की निगरानी करके और उत्पादन श्रृंखला का दस्तावेज़ीकरण करके बेहतर रोपण निर्णयों में मदद करती है। उन वायरसों के मामले में जो पौध सामग्री के माध्यम से फैलते हैं और जिनका बाद में इलाज नहीं हो सकता, यह प्रारंभिक नियंत्रण युवा बेलों के नर्सरी से निकलकर वाणिज्यिक दाख़बाग़ों में जाने से पहले निर्णायक माना गया है।